FACULTY OF STUDIES
BSF Academy, Tekanpur
Phone 07524-274100, 200, 300/ Extn 321

PRESS NOTE

संख्या–1052/प्रेसनोट/अ0सं0/2015/ *20 नवम्बर 2015*

अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता –2015 में प्रेमियरी फाल्ट एण्ड आउट प्रतियोगिता का आयोजन

मैडल जीताने में घोड़ियों की संख्या घोड़ों से अधिक

टेकनपुर। 20 नवम्बर 2015। अकादमी टेकनपुर में आयोजित 34वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता एवं माउण्टेड पुलिस ड्यूटी मीट– 2015 का भव्य आयोजन चल रहा है जिसे देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ देखन को मिल रही है। प्रतियोगिता के दौरान आज श्री अनन्या द्विवेदी, आईएएस, कमिशनर मुंसिपल कॉर्पोरेशन, ग्वालियर (म.प.) मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

आज प्रेमियरी फाल्ट एण्ड आउट प्रतियोगिता का आायोजन किया गया जिसमें घुड़सवार को अपने घोड़े के साथ एक मिनट के अन्दर 10 से 16 बाधाओं को पार करना होता है। देखने वाली बात यह है प्रत्येक बाधा या रूकावट अलग–अलग तरह की होती है। घुड़सवार को एक मिनट में कम से कम 10 बाधाओं को पार करना अनिवार्य है। घुड़सवार को एक मिनट में पूरी बाधा पार करने का मौका दिया जाता है। यदि घुड़सवारी बाधा दौड़ के दौरान किसी भी बाधा में घोड़ा रूक जाए या बाधा को गिरा दे तो उसे तुरन्त प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाता है। इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों एवं सशस्त्र पुलिस बल की 18 टीमों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में कर्नाटक पुलिस के आरक्षक राईडर के मुर्ती ने अपनी घोड़ी लेडी के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में राजस्थान पुलिस के आरक्षक राईडर विरेन्दर सिंह ने अपने घोड़ा इन्दर के सांथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एनपीए पुलिस हैदराबाद टीम के उप निरीक्षक राईडर डी सुभाराव ने अपनी घोड़ी लाली के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आज आयोजित प्रतियोगिता में टेंट पिकेटिंग एकल प्रतियोगिता दर्शकों का केन्द्र बनी रही। चौथी सदी ई0 पूर्व घुड़सवार अपने घोड़े पर सवार होकर अपने भाले से शत्रु के कम्प पर हमला करते थे जो कि लगे हुए टेन्टो की पिकटों को भाले से उखाड़ दिया करते थे जिससे शत्रु केम्प में हफरा–तफरी

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।

मच जाती थी। युद्ध के समय शत्रु पक्ष की शक्तिशाली हाथी सेना के हमले को घुड़सवार सेना ही रोक पाती थी। घुड़सवारों द्वारा शत्रु केम्प पर हमला कर उनके टेन्ट के पिकेट को उखाड़कर ध्वस्त करने के कारण इस प्रतियोगिता का नाम टेंट पिकेटिंग प्रतियोगिता रखा गया है। आज आयोजित इस प्रतियोगिता में आईटीबीपी के मुआ0 राईडर सतपाल ने अपने घोड़ा विंड के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में आईटीबीपी टीम के मुआ0 राईडर जसविंदर सिंह ने अपने घोड़ा मयूर के सांथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। राजस्थान पुलिस के आरक्षक राईडर राकेश कुमार ने अपनी घोड़ी रानी के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया और इस प्रतियोगिता में हरियाणा पुलिस के उप निरीक्षक निर्मल सिह ने अपनी घोड़ी केटरीना के साथ चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

सीसुबल अकादमी टेकनपुर में चल रहे अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता में मैडल जीतने वाले घुड़सवारों में घोड़ों की तुलना में घोड़ियों की संख्या अधिक देखी गई है। देखने वाली बात यह है घोड़ी जो की शारीरिक रूप से घोड़ा की तुलना में छोटी होती है लेकिन लम्बी व ऊंची छलांग लगाने में घोड़ो से अधिक आकामक तैवर के साथ आगे हैं। आज आयोजित प्रतियोगिता में घोड़ी के नाम – रानी, केटरीना, लेडी व रानी ने घुड़सवारों को मैडल जिताकर यह सिद्ध कर दिया है कि मनुष्य जाती की तरह जानवारों में भी भेद करना गलत है।

उल्लेखनीय है कि बीएसएफ इस वर्ष अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है, जिसका अपना एक स्वर्णिम इतिहास है। दिनांक 21 नवम्बर 2015 को अकादमी टेकनपुर के रेजिंग डे के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यकम का आयोजन अकादमी टेकनपुर में किया जा रहा है। इस आयोजन के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यकम आयोजित किए जाएंगे, जिसकी तैयारी पूरे जोर सोर से चल रही है। ज्ञात हो कि सीसुबल अकादमी टेकनपुर की स्थापना 21 नवम्बर 1966 को हुई थी और दिनांक 21 नवम्बर 2015 को अकादमी टेकनपुर के स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण हो रहे है। इस अवसर पर अकादमी परिवार में बड़ा उत्साह है और अपने अपने 50वें वर्षगांठ पर अकादमी के निदेशक श्री एस एस तोमर के निर्देशन पर अकादमी टेकनपुर में भव्य कार्यकम का आयोजन किया जा रहा हैं ।

कमाण्डेन्ट
अध्ययन संकाय

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।